आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
दुग्ध उत्पादन एवं मधुमखी पालन 2023

एसएचजी/नाम	:	श्रधा स्वयं सहायता समूह
वीएफडीएस नाम	:	देव बाला टिक्का
एफटीयू/रेंज	:	झुन्गी
डीएमयू/मंडल	:	सुकेत
एफसीसीयू / सर्कल	:	मंडी

द्वारा प्रायोजित
पीआईएचपीफेम और एल

द्वारा तैयार:-
डीएमयू सुकेत, एफटीयू झुन्गी और श्रधा स्वयं सहायता समूह

विषयसूची

विवरण	पेज
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	3
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-6
गांव का भौगोलिक विवरण	6-7
उत्पादन प्रक्रिया का विवरण	7-8
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	8
विपणन/बिक्री का विवरण	9
वित्तीय पूर्वानुमान/अनुमान	10-12
फंड के स्रोत	13
निगरानी विधि	14
व्यापार योजना मधुमखी पालन	15
कार्यकारी सारांश	15
उत्पादन योजना का विवरण	16
स्वोट विश्लेषण	17
अर्थशास्त्र का विवरण	18
आय और व्यय का विश्लेषण	19
वित् आवश्यकता	19
फंड के स्रोत	19-20
निगरानी तंत्र	20
परियोजना की कुल लागत	21
अनुलग्नक	22-23

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तर-उत्तर पूर्व, पूर्व में सीमाबद्ध हैं ।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी ब्यास और सतलुज नदी नदी मुख्य जीवन रेखा हैं ।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और हटली घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर ब्यास नदी के तट पर स्थित है, जो बल्ह घाटी के उत्तरी भाग में है, बल्ह घाटी के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

देव बाला टिक्का वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए तीन स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, श्रधा स्वयं सहायता समूह, दुग्ध उत्पादन मधुमखी पालन से संबंधित है । समिति के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने दुग्ध उत्पादन और केंचुआ खाद बनाना करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी सहयोग डॉ पंकज सूद, प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ कविता शर्मा और डीएस यादव, कृषि विज्ञानं केन्द्र मंडी स्थित सुंदर नगर द्वारा प्रदान किए गए थे। दल जिसमें विजय कुमार, विषय विशेषज्ञ, कार्यालय वनमंडल सुकेत, गोपाल चन्द शाण्डिल वन परिक्षेत्र अधिकारी झुन्गी, गोपी चन्द , वनखंड अधिकारी, वन खंड पंडार, सुरेश कुमार फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर झुन्गी परिक्षेत्र, मनोज कुमार वन रक्षक, गलुखर और जरल बीट शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

कार्यकारी सारांश

घरोट और धमासन वन ग्रामीण विकास समिति:-

घरोट और धमासन वन ग्रामीण विकास समिति, घरोट और धमासन राजस्व मुहाल में व्यवस्थित है। इस वन ग्रामीण विकास समिति का गठन ग्राम पंचायत घरोट में किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले के गोहर ब्लॉक में स्थित है और 31°25'52.43"N अक्षांश- 77°4'15.13"E देशांतर के बीच स्थित है। घरोट और धमासन वन ग्रामीण विकास समिति सुकेत वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के झुन्गी वन परिक्षेत्र के तहत पंडार वन खण्ड के गलुखर बीट के अंतर्गत आता है।

वीएफडीएस की महत्वपूर्ण विशेषताएं:-

यह वन ग्रामीण विकास समिति लाल और भूरे चावल की फसलों के लिए जानी जाती है। वीएफडीएस क्षेत्र फ्रूट पाम और ऑफ सीजन सब्जियों के लिए प्रसिद्ध है। पूरा क्षेत्र देव दैंत मंदिर के लिए प्रसिद्ध है जो दैंत जंगल के रिज में स्थित है।

परिवारों की संख्या	177
बीपीएल परिवार	83 =46.89%
कुल जनसंख्या	1311
कुल मवेशी	1073

श्रधा स्वयं सहायता समूह का विवरण

अनौपचारिक श्रधा स्वयं सहायता समूह का गठन जनवरी 2023 में देव बाला टिक्का वन ग्रामीण विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं। श्रधा स्वयं सहायता समूह महिला समूह (नौ महिलाएं) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। दुग्ध उत्पादन और केंचुआ खाद बनाना जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 09 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 50/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

फोटो के साथ स्वयं सहायता समुह सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	उर्मिला देवी	प्रधान	एस.सी	36	10वीं.	8219623579
2.	नेहा कुमारी	सचिव	सामान्य	28	12वीं.	7018997081
3.	मनीषा	कोषाध्यक्ष	एस.सी	23	12वीं.	8580495051
4.	दशोधा देवी	सदस्य	सामान्य	44	8वीं.	9625819241
5.	शकुन्तला देवी	सदस्य	सामान्य	45	8वीं.	8278767002
6.	पदमा देवी	सदस्य	एस.सी.	47	10वीं.	8988956115
7.	जैवन्ती देवी	सदस्य	एस.सी.	48	5वीं.	9418283405
8.	सोनू कुमारी	सदस्य	एस.सी.	21	12वीं.	9418283405
9.	राधा कुमारी	सदस्य	एस.सी.	25	12वीं.	8988956115
10.						
11.						
12.						

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों की फोटो

उर्मिला देवी (अध्यक्ष)

नेहा कुमारी (सचिव)

मनीषा (कोषाध्यक्ष)

दशोधा देवी (सदस्य)

शकुन्तला देवी (सदस्य)

पदमा देवी (सदस्य)

जैवन्ती देवी (सदस्य)

सोनू कुमारी (सदस्य)

राधा देवी (सदस्य)

श्रधा स्वयं सहायता समूह देव बाला टिक्का

एसएचजी/समिति का नाम	::	श्रधा स्वयं सहायता समूह
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	देव बाला टिक्का
परिक्षेत्र	::	झुन्गी
वन मण्डल	::	सुकेत
गांव	::	धमासान
खंड	::	सुंदर नगर
ज़िला	::	मंडी
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	9
गठन की तिथि	::	जनवरी 2023
बैंक का नाम और विवरण	::	पंजाब नेशनल बैंकझुन्गी
बैंक खाता संख्या	::	2451000100090723
एसएचजी/मासिक बचत	::	रु . 450/-माह
कुल बचत	::	2700/-
कुल अंतर-ऋण	::	हाँ
नकद ऋण सीमा	::	-
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	74 किमी
मेन रोड से दूर	: :	0 किमी (लेकिन मुख्य सड़क से 100 से 200 मीटर तक) लगभग
स्थानीय बाजार और दूर का नाम	:	सुंदर नगर 50 किमी, झुन्गी 10 किमी, निहरी 06 किमी लगभग ।

प्रमुख शहरों के नाम और दूर	: :	सुंदर नगर 50 किमी, झुन्गी 10 किमी, निहरी 06 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	सुंदर नगर, झुन्गी, निहरी ।
बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	: :	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

उत्पादन प्रक्रिया का विवरण

पनीर बनाने वाले स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने शुरू में 120 किलो शुद्ध दूध से कारोबार शुरू करने पर सहमति जताई। 40 लीटर दूध को लगातार हिलाते हुए 50लीटर क्षमता वाले मोटे दूध के बर्तनों में 80-90^0 C के तापमान तक गर्म किया जाएगा। जब दूध का तापमान लगभग 90 ^{0}C हो जाए तो इसमें 0.2% साइट्रिक एसिड (यानी 80 ग्राम साइट्रिक एसिड) मिलाएं और 5-6 मिनट तक हिलाते रहें और आंच बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें। उत्पाद को मलमल के कपड़े में डालें और अतिरिक्त पानी को निचोड़ लें और पनीर के ऊपर अतिरिक्त भार डालकर पनीर को दबाएं और परिणामी सामग्री को ठंडे पानी के अंदर मलमल के कपड़े में रखें। अन्य दो दूध के बर्तनों में शेष 80 लीटर दूध के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराई जाएगी ।

मानक औसत के अनुसार प्रतिदिन 120 लीटर दूध से लगभग 24 किलोग्राम पनीर का उत्पादन किया जाएगा, जिसे लक्षित बाजारों के अनुसार उचित रूप से बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिए विपणन किया जा सकता है। औसतन यदि पनीर की कीमत रु . 250 रुपये प्रति किलो, एसएचजी की शुद्ध बिक्री 6000 / - दैनिक होगी और यदि दूध 40 रुपये प्रति किलो की दर से खरीदा जाता है तो 120 किलो दूध की मात्रा पर काम किया जायेगा और 4800 प्रति दिन और इस तरह 1200 रुपये प्रतिदिन सकल लाभ होगा।

पनीर बनाने का व्यवसाय शुरू करने की बाजार की संभावना

पनीर एक प्राकृतिक डेयरी आइटम है जो स्वस्थ, पोषक तत्वों से भरपूर और बहुत मांग में है। वर्तमान में मांग बढ़ रही है और निकट भविष्य में मांग अधिक होने की संभावना है। व्यवसाय लाभदायक है और इसके लिए कम पूंजी, सस्ती सामग्री और बुनियादी मशीनरी की आवश्यकता होती है। गुणवत्ता पनीर

गुणवत्ता नियंत्रण, के साथ उचित उपकरण और मानकीकृत प्रोटोकॉल की मांग करता है।

पनीर बनाने का व्यवसाय शुरू करने के कारण

- प्राकृतिक डेयरी उत्पाद
- भारी मांग
- धंधा पैसा बनाने वाला है
- कम पूंजी की जरूरत
- सस्ते घटक
- एसएचजी सदस्य व्यक्तिगत स्तर पर गतिविधि से परिचित हैं

घर में बने पनीर के लिए उपकरण की आवश्यकता

घर में बने पनीर का उत्पादन शुरू करने के लिए शुरू में निम्नलिखित उपकरण खरीदे जाएंगे

1. बॉयलर वेसल 100lt क्षमता
2. मिश्रण आदि को हिलाने के लिए डंडियां
3. कनेक्शन के साथ वाणिज्यिक गैस सिलेंडर
4. गैस भट्टी (चुल्ला)
5. डिजिटल वजनी मशीन
6. मापने वाला उपकरण (1lt, 2lt, 5lt)
7. रेफ्रिजरेटर (200 लीटर)
8. रसोई के उपकरण और अन्य विविध लेख
9. पॉली सीलिंग टेबल टॉप
10. हीट सीलर
11. एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने आदि।
12. कुर्सियां, मेज आदि।
13. पनीर दबाने की मशीन

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम	::	पनीर बनाना
2	उत्पाद पहचान की विधि	::	यह उत्पाद पहले से ही कुछ SHG सदस्यों द्वारा बनाया जा रहा है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हाँ

उत्पादन योजना का विवरण

1	उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	1 दिन
2	प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	::	सभी सदस्य
3	कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय रूप से उपलब्ध
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	सुंदर नगर 20 किमी, मंडी 25 किमी
5	प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (किलो)	::	120 लीटर दूध (शुरुआत में)
6	प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)	::	24 किलो (शुरुआत में)

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा	राशि प्रति किलो (रुपये)	कुल रकम	अपेक्षित पनीर उत्पादन (किग्रा)	रु. प्रति किलो	कुल रकम
1	गाय का दूध	किलोग्राम	हर दिन	120 लीटर	40	4800	24	250	6000

विपणन/बिक्री का विवरण

1	संभावित बाजार स्थान	::	सुंदर नगर 50 किमी, झुन्गी 10 किमी, निहरी 06 किमी लगभग ।
2	इकाई से दूरी	::	
3	बाजार में उत्पाद की मांग / एस	::	दैनिक मांग
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार में मांग के अनुसार खुदरा विक्रेता/थोक विक्रेता का चयन/सूचीबद्ध करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति		एसएचजी सदस्य अपने उत्पाद को सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। इसके अलावा खुदरा विक्रेता द्वारा, निकट बाजारों के थोक व्यापारी। प्रारंभ में उत्पाद को 1 किलोग्राम पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग करके उत्पाद का विपणन किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"		"पवित्रता और सर्वोच्चता का एक उत्पाद"

स्वोट अनालिसिस

- ताकत -
  - गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
  - कच्चा माल आसानी से उपलब्ध
  - निर्माण प्रक्रिया सरल है
  - उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
  - उत्पाद शेल्फ जीवन लंबा है
- कमज़ोरी -
  - विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- अवसर -
  - बाजारों का स्थान
  - सभी मौसमों में सभी खरीदारों द्वारा दैनिक/साप्ताहिक खपत और उपभोग
- खतरे / जोखिम -
  - विशेष रूप से सर्दी और बरसात के मौसम में निर्माण और पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव।
  - कच्चे माल के दामों में अचानक हुई बढ़ोतरी
  - प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारियां तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

वित्तीय पूर्वानुमान/अनुमान

व्यवसाय शुरू करने के लिए अंतिम बल्कि सबसे महत्वपूर्ण कदम व्यवसाय चलाने के लिए लागत निर्धारित करने के लिए एक वित्तीय योजना बनाना है और इसमें व्यावसायिक लाभ भी शामिल होना चाहिए शुरू में एसएचजी संक्षेप में कमाई करने जा रहा है एक लागत लाभ विश्लेषण का अनुमान लगाया जाना आवश्यक है

ए।	**पूंजी लागत**			
क्रमांक _	**विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु .)**
1	बॉयलर पॉट 100lt क्षमता	3	5000	15000
2	मिश्रण आदि को हिलाने के लिए शीशे की डंडियां	3	300	900
3	कनेक्शन के साथ वाणिज्यिक गैस सिलेंडर	2	4000	8000
4	गैस भट्टी (चुल्ला)	3	1500	4500
5	डिजिटल वजनी मशीन	1	10,000	10000
6	मापने वाला उपकरण (1lt, 2lt, 5lt)	3	L/S	1000
7	रेफ्रिजरेटर (200 लीटर)	1	22000	22000
8	रसोई के उपकरण और अन्य विविध लेख	L/S	L/S	4000
9	पॉली सीलिंग टेबल टॉप हीट सीलर	1	2000	2000
10	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने आदि।	12	L/S	6000
1 1	कुर्सियां, मेज आदि।		L/S	5000
12	पनीर प्रेसिंग मशीन	1	L/S	3000
	कुल पूंजीगत लागत (ए)			**81400**

बी।	आवर्ती लागत			
क्रमांक।	विवरण	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	कच्चा दूध	120 लीटर दैनिक	40 लीटर	144000
2	साइट्रिक एसिड	6 लीटर	150/ लीटर	900
3	कमरे का किराया	प्रति महीने	500	500
4	पैकेजिंग सामग्री	महीने के	3000	3000
5	श्रम	प्रतिदिन 2 व्यक्ति	275/व्यक्ति	16500
6	परिवहन	महीने के	रुपये प्रति दिन	3000
7	विविध व्यय (अर्थात स्थिर, बिजली बिल, पानी का बिल, आदि)	महीने के	1000	1000
8	गैस	प्रति माह एक सिलेंडर	2000/सिलेंडर	2000
9	मलमल का कपड़ा	महीने के हिसाब से	L/S	1500
10	साबुन और डिटर्जेंट/विम स्क्रबर, झाड़ू, वाइपर, आदि।	महीने के महीने हिसाब से	L/S	1000
	कुल आवर्ती लागत (बी)			**173400**

सी।	उत्पादन की लागत (मासिक)				
क्रमांक _	विवरण			राशि (रु.)	
1	कुल आवर्ती लागत			173400	
2	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास			678	
	उत्पादन की कुल लागत			**174078**	
डी।	कुल आय मासिक				
क्रमांक _	विवरण	रोज	अपेक्षित दर प्रति किग्रा	कुल बिक्री दैनिक	मासिक बिक्री
1	पनीर का कुल उत्पादन	24 किलो ग्राम	250/किग्रा	6000	180000
	लागत लाभ का विश्लेषण				
क्रमांक	विवरण			राशि (रु.)	

_		
1	पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास	678
2	प्रति माह कुल आवर्ती लागत	173400
3	कुल खर्च	174078
4	कुल उत्पादन (मासिक)	720 किग्रा
5	अपेक्षित दर प्रति किग्रा	250/किग्रा
6	कुल बिक्री राशि	180000
	शुद्ध आय (मासिक)= 180000-174078	5922
7	लाभ साझेदारी	लाभ के बंटवारे पर सदस्यों के बीच सामूहिक सहमति होगी; हालांकि लाभ का एक हिस्सा भविष्य की आकस्मिकता के लिए आरक्षित रखा जाएगा।

नोट: श्रम की मात्रा (16500) जिसे आवर्ती लागत में जोड़ा गया है, व्यावहारिक रूप से एसएचजी के सदस्यों की आय है क्योंकि श्रम इनपुट एसएचजी के सदस्यों के भीतर होगा।

फंडफ्लो

क्रमांक _	**विवरण**	**कुल राशि(रु.)**	**परियोजना का समर्थन**	**एसएचजी योगदान**
1	कुल पूंजी लागत	81400	61050 (75%)	20350
2	कुल आवर्ती लागत	173400	-	173400
3.	अब तक का मासिक योगदान	12000		12000
4.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	60000	60000	-
	कुल	**326800**	**121050**	**205750**

टिप्पणी-

- एसएचजी में सभी सदस्य होते हैं और परियोजना द्वारा 75% पूंजीगत लागत का योगदान दिया जाएगा।
- आवर्ती लागत एसएचजी/सीआईजी सदस्यों द्वारा वहन की जाएगी।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन व्यय परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

फंड के स्रोत

परियोजना का समर्थन	• पूंजीगत लागत का 75% उपकरणों सहित मशीनरी की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा, जैसा कि क्रम संख्या 8 में वर्णित है। • तक **1** लाख रुपये **SHG** बैंक खाते में रखे जाएंगे।	कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनरी/उपकरणों की खरीद की जाएगी।

	• प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	
एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का **25%** स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्री/उपकरणों की लागत शामिल है। • एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

बैंक ऋण चुकौती -

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

लाभार्थियों का बेसलाइन सर्वेक्षण और वार्षिक सर्वेक्षण किया जाएगा ।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पादन स्तर
- उत्पाद की गुणवत्ता
- बेचा गया सामान
- बाजार पहुंच

टिप्पणियां:

समूह की आगामी दृष्टि अन्य डेयरी वस्तुओं आदि के रूप में मूल्यवर्धन द्वारा उनकी आय में वृद्धि करना है।

व्यवसाय योजना
मधुमखी पालन
द्वारा
श्रधा स्वयं सहायता समूह

कार्यकारी सारांश

मधुमखी पालन हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों का मुख्य वयवसाय है जिसे लोग पुश्तैनी गतिविधी के रूप में अपनाये हुए है जो प्रायः अपने घरों में दीवारों में मधुमखी के छाते लगा कर मौसमी शहद निकाल कर अपना आजीविका में वृधि दर्ज करते है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए मधुमखी पालन आय सृजन गतिविधि का चयन श्रधा स्वयं सहायता समूह द्वारा किया गया है। मधुमखी पालन की यह आईजीए इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह को प्रारंभ में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह गतिविधि इस समूह की कुछ सदस्यों द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा मौसमी समय मे जब फूलों की बहुतायत होती है उस समय इस क्षेत्र में मधुमखी पालन का कार्य तथा इसस से शहद निकलना व मूल्यवर्धन तथा नयी कॉलोनी बनाना कार्य रहेगा। जब फूलों की इस क्षेत्र में कमी होगी तो ऐसी अवस्था में डिबों को दूसरे स्थान पर स्थानातर किया जायगा जहाँ उस समय फूलों की प्रचुर मात्रा होगी । यह प्रक्रिया साल दर साल चलती रहेगी । प्रारंभ में समूह शहद निकालना व मूल्यवर्धन तथा नयी कॉलोनी बनाना कार्य करेगा। उत्पाद सीधे समूह द्वारा या परोक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकट बाजार के पूरे विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	शहद निकालना व मूल्यवर्धन तथा नयी कॉलोनी बनाना और उसका विक्रय
उत्पाद पहचान की विधि	::	यह गतिविधि पहले से ही कुछ स्वयं सहायता समूह महिलाओं द्वारा की जा रही है और समूह के सदस्यों द्वारा तय किया गया है
एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हां

उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

- समूह शहद निकालना व मूल्यवर्धन तथा नयी कॉलोनी बनाना और उसका विक्रय यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा स्थानीय परिस्थितियों में गाँव में की जाएगी। तथा विपरीत परिस्थितियों में डिब्बों का परिवहन दूसरे स्थान को किया जायेगा
- यह प्रक्रिया लगभग 75-90 दिनों तक चलती है । तभी उत्पाद प्राप्त होता है
- उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, और पैकिंग आदि जैसी प्रक्रिया शामिल है।
- प्रारंभ में समूह मौसम के दौरान इलाके में उपलब्ध स्थानीय फूलों व वनस्पति पर आधारित रहेंगे परन्तु समय के साथ विभिन्न अन्य प्रजातियों की जो अलग अलग मौसम में फूल और फल उत्पन्न करती है का क्षेत्र में पौधरोपण किया जायेगा जिससे पुरे वर्ष मे फूलों की उपलब्धता रहे ।

- शुरू के हर तीन महीने में समूह लगभग 1.50 क्विंटल शहद का उत्पाद करेगा तथा इस से मोम व मोम से सम्बंधित अन्य उत्पाद भी तैयार करेगा जिसमे वैक्स चुइंगस्म आदि का निर्माण करेगा और अन्य उत्पाद भी बनाएगा जिसमें समान उत्पाद व प्रक्रिया का उपयोग होता है ।

उत्पादन योजना का विवरण

उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	75-90 दिन
प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	:	जैसी ज़रूरत
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय जंगल/लोगों के खेत/ बगीचे में लगे फूल
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	जन्गली औषधीय पौधे
मधुमखी को 3 किलो शहद बनाने के लिए प्रति चक्र आवश्यक मात्रा	::	300 किलो फूल
प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)	::	150 किलो प्रत्येक

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

अनु क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा (लगभग)	राशि प्रति इकाई (रु.)	कुल रकम	अपेक्षित उत्पादन त्रैमासिक (किग्रा)
1	मधुमखी छत्ते	नंबर	75-90 दिन	45	3200	144000	135

मार्केटिंग/बिक्री का विवरण

1	संभावित बाजार स्थान	सुंदर नगर 50 किमी, झुन्गी 10 किमी, निहरी 06 किमी लगभग ।
2	इकाई से दूरी	
3	बाजार में उत्पाद की मांग	दैनिक मांग
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य, स्थानीय होटल व्यवसायियों से उनकी मांग के लिए हर महीने संपर्क करेंगे और बाजार में मांग, खुदरा विक्रेता / थोक विक्रेता का चयन / सूची करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति	स्वयं सहायता समूह सदस्य अपने उत्पाद को सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। इसके अलावा खुदरा विक्रेता द्वारा, निकट बाजारों के थोक व्यापारी। प्रारंभ में उत्पाद 0.5-1 किलोग्राम पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग करके उत्पाद का विपणन किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"	" शुद्ध शहद "

स्वोट विश्लेषण

ताकत -

- गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
- कच्चा माल आसानी से उपलब्ध
- निर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- उत्पाद शेल्फ जीवन लंबा है
- घर का बना, कम लागत

कमजोरी -

- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- अत्यधिक श्रमसाध्य कार्य।
- अन्य पुराने और प्रसिद्ध उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा ।

मौका -

- मुनाफे के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणियों के उत्पादों की तुलना में कम है।
- दुकानों फास्टफूड स्टालों, खुदरा विक्रेताओं, थोक व्यापारी, कैंटीन रेस्तरां और रसोइया गृहिणियों में उच्च मांग बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार के अवसर हैं।
- सभी मौसमों में सभी खरीदारों द्वारा दैनिक/साप्ताहिक खपत और उपभोग ।

खतरे / जोखिम -

- विशेष रूप से सर्दी और बरसात के मौसम में निर्माण और पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव ।
- कच्चे माल के दामों में अचानक हुई बढ़ोतरी ।
- प्रतिस्पर्धी बाजार ।
-

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समुह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा। (श्रम विभाग)

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात - कच्चे माल का संग्रह आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण :

ए।	पूंजी लागत			
अनु क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
1	मधुमखी छत्ते (Apis mellifera and Apis cerana indica)	45	3200	144000
2	मधुमखी छत्ते से शहद निकालने वाला (Honey Extractor)	1	4480	4480
3	शहद निकालने वाली ट्रे	1	2800	2800
4	धुंआ फैलाने वाला यंत्र	11	450	4950
5	Bee vails	11	90	990
	कुल पूंजीगत लागत (ए) =			**157220**

बी।	आवर्ती लागत				
अनु क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
1	Yearly consumption of Sugar by bee (chemical free)	किग्रा	11	800	8800
2	Yearly requirement of Tins for packing	नंबर	44	150	6600
3	Repair & Maintenance	L/S			3000
4	Carriage and Cartage	L/S			2000
5	Miscellaneous expenditure (stationary, bill book, receipt book, etc.	L/S			1000
	आवर्ती लागत				**21400**
	कुल परियोजना लागत 157220+ 21400=178620				

उत्पादन की लागत (त्रेमासिक)	
विवरण	**राशि (रु.)**
कुल आवर्ती लागत	21400
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	3930
कुल	**25330**

विक्रय मूल्य गणना(प्रति चक्र)		
विवरण	**इकाई**	**राशि (रु.)**
बनाने की कीमत	-	-
वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	600-700
अपेक्षित बिक्री मूल्य	रुपये	700

आय और व्यय का विश्लेषण (वार्षिक):

विवरण	राशि (रु.)
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	15722
कुल आवर्ती लागत	85600
प्रति बर्ष कुल उत्पादन (किलोग्राम)	540
विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)	700
आय सृजन (700*540)	378000
शुद्ध लाभ	मासिक आधार पर 378000-178620=199380
सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित लाभ	199380/09= 22153 प्रति सदस्य
शुद्ध लाभ का वितरण	लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा।
	लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा।
	IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् आवश्यकता:

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
कुल पूंजी लागत	157220	117915	39305
कुल आवर्ती लागत	21400	0	21400
प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	100000	100000	0
कुल	**278620**	**217915**	**60705**

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** परियोजना के तहत पूंजीगत लागत का 75% हिस्सा दिया जायेगा
- **आवर्ती लागत -** स्वयं सहायता समुह /सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित् के स्रोत:

परियोजना का समर्थन	पूंजीगत लागत का 75% मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक	संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करते हुए मशीनरी/उपकरणों की खरीद की जाएगी।

	जमा किए जाएंगे। प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	
स्वयं सहायता समुह योगदान	पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्री/उपकरणों की लागत शामिल है। स्वयं सहायता समुह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना

= पूंजीगत व्यय/विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)-उत्पादन की लागत (प्रति किग्रा)

= 157220/ (700-133.33)

=157220/567

= 277 किलो

इस प्रक्रिया में 277 किलो शहद बेचने के बाद ब्रेक ईवन प्राप्त किया जाएगा । जो पहले छह महीने में प्राप्त किया जा सकता है

बैंक ऋण चुकौती - यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पाद की गुणवत्ता

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 81400/-

आवर्ती लागत = 173400/-

दुग्ध उत्पादन के लिए कुल =254800/-

मधुमखी पालन परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 157220/-

आवर्ती लागत = 21400/-

मधुमखी पालन परियोजना के लिए कुल = 178620/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 433420/-

क्रम संख्या	**व्यवसाय योजना**	**पूंजीगत लागत**	**आवर्ती लागत**	**परियोजना का हिस्सा**	**लाभार्थी अंशदान**	**कुल लागत**
1.	दुग्ध उत्पादन	81400	173400	61050	193750	254800
2.	मधुमखी पालन	157220	21400	117915	60705	178620
	कुल	**238620**	**194800**	**178965**	**254455**	**433420**

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (दुग्ध उत्पादन एवं मधुमक्खी पालन) द्वारा चुना गया।

सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	उर्मिला देवी	प्रधान	एस.सी.	36	उर्मिलादेवी
2.	नेहा कुमारी	सचिव	सामान्य	28	नेहाकुमारी
3.	मनीषा	कोषाध्यक्ष	एस.सी.	23	मनीषा
4.	दशोधा देवी	सदस्य	सामान्य	44	दशोधा देवी
5.	शकुन्तला देवी	सदस्य	सामान्य	45	शकुनतला देवी
6.	पदमा देवी	सदस्य	एस.सी.	47	पदमादेवी
7.	जैवन्ती देवी	सदस्य	एस.सी.	48	जैवन्तीदेवी
8.	सोनू कुमारी	सदस्य	एस.सी.	21	सोनु कुमारी
9.	राधा कुमारी	सदस्य	एस.सी.	25	राधाकुमारी
10.					
11.					

Nehakumari

प्रधान सचिव

हस्ताक्षर स्वयं सहायता समूह

सचिव स्वयं सहायता समूह

उर्मिला देवी

प्रधान सचिव

हस्ताक्षर स्वयं सहायता समूह

प्रधान स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर

प्रधान सचिव

सचिव, वन ग्रामीण विकास समिति

देव बाड़ा ... विकास समिति

ग्रा.पं. घरोट, तह. निहरी, जिला मण्डी (हि.प्र.)

प्रधान हस्ताक्षर सचिव

देव बाड़ा ग्रामीण विकास समिति

ग्रा.पं. घरोट, तह. निहरी, जिला मण्डी (हि.प्र.)

हस्ताक्षर

वन रक्षक

हस्ताक्षर

वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर

वन परिक्षेत्र अधिकारी

वन परिक्षेत्र अधिकारी,

जिला मण्डी (हिमाचल प्रदेश)

डीएफओ द्वारा स्वीकृत

Divisional Forest Officer

Suket Forest Division

Sundernagar (H.P.) - 175018